आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–02 अक्टूबर 2024 सान्ध्य समाचार

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती आज प्रदेश भर में हर्षोल्लास पूर्वक मनाई जा रही है। इस अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, समाजिक और राजनीतिक दलों की ओर से संगोष्ठी, स्वच्छता अभियान और श्रद्धांजलि कार्यक्रमों का आयोजन कर के दोनों महान विभूतियों को नमन किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के जीपीओ स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हे श्रद्धांजलि दी उसके बाद क्षेत्रीय गांधी आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री योगी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी आजादी के महानायक थे। महात्मा गांधी द्वारा राष्ट्र और मानवता के लिए किए गए उनके योगदान के प्रति देश कृतज्ञता ज्ञापित कर रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जन्मदिवस पर शास्त्री भवन पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वाराणसी, गोरखपुर, आजमगढ़, लखनऊ, श्रावस्ती, अयोध्या, कुशीनगर, चंदौली, मिर्जापुर, उन्नाव और जौनपुर समेत अन्य जनपदों में भी गांधी जयंती और शास्त्री जयंत पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल शारदीय नवरात्रि की प्रतिपदा पर गोरखनाथ मंदिर स्थित दुर्गा शक्ति मंदिर में कलश स्थापना करेंगे। इसके साथ ही दस दिवसीय विशेष अनुष्ठान का शुभारंभ हो जाएगा। इस महापर्व के अंतर्गत 10 अक्टूबर को मुख्यमंत्री महानिशा पूजन और हवन, 11 अक्टूबर को कन्या पूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लोकभवन सभागार में आयोजित सेवा पखवाड़ा संगोष्ठी को संबोधित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आर बालासुब्रमण्यम द्वारा लिखित पुस्तक पॉवर विदिनः द लीडरशिप लीगेसी ऑफ नरेंद्र मोदी से जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की। श्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तिगत जीवन अनुशासन व सादगी से भरा है। सामान्य नागरिक और कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने शून्य से यात्रा प्रारंभ की।

****

प्रदेश के मुजफ्फरनगर के रहने वाले दलित छात्र अतुल कुमार को आईआईटी धनबाद में प्रवेश दिलाने के लिए प्रदेश सरकार ने पहल की है। प्रदेश की छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत, समाज कल्याण विभाग अतुल की आईआईटी में लगने वाली पूरी फीस को स्कॉलरशिप के माध्यम से वहन करेगा। मुजफ्फरनगर के अतुल कुमार का आईआईटी धनबाद में प्रवेश, फीस जमा न होने के कारण रुक गया था। परिवार ने सभी प्रयास करने के बाद सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप और मामले के मुख्यमंत्री के संज्ञान में आने के बाद सरकार ने छात्र की पूरी मदद करने का निर्णय लिया है।

****

जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने आज वाराणसी के सारनाथ का भ्रमण किया। इस दौरान उनके साथ प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, प्रदेश के संसदीय कार्य एवं जिले के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना भी मौजूद रहे। मेहमान प्रधानमंत्री ने सारनाथ में पुरातात्विक खंडहर, संग्रहालय और स्तूप का अवलोकन किया। संग्रहालय में मौजूद राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ को देखकर प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने इसके बारे में उत्सुकता दिखाई और जानकारी हासिल की।

****

अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन और आरती के समय में नवरात्रि के अवसर पर बदलाव किया गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि मंगला आरती सुबह 4.00 बजे के स्थान पर 4.30 बजे, श्रृंगार आरती सुबह 6.00 बजे के स्थान पर 6.30 बजे और शयन आरती रात्रि 10.00 बजे के स्थान पर 9.30 बजे होगी। रामलला के दर्शन सुबह 6.30 बजे के स्थान पर अब 7.00 बजे से होंगे। उन्होने बताया कि दोपहर 12.30 बजे से 01.30 बजे तक मंदिर बंद रहेगा। दोपहर डेढ़ बजे से रात नौ बजे तक दर्शन होंगे।

****

ज्ञानवापी मस्जिद स्थित वुजूखाने का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) से सर्वे कराने की मांग को लेकर दायर पुनरीक्षण याचिका पर हाईकोर्ट ने याची के अधिवक्ता को पूर्व में हुए सर्वे की रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई अब 22 अक्टूबर को होगी। कल न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ में राखी सिंह की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई।

****

प्रदेश के अटल आवासीय विद्यालयों के मेधावी अहमदाबाद स्थित इसरो के स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (एसएसी) के शैक्षिक भ्रमण पर हैं। यहां इन छात्र–छात्राओं को इसरो के वैज्ञानिकों के माध्यम से अंतरिक्ष विज्ञान तथा इसरो से संबंधित ज्ञानवर्धक कार्यशालाओं में सम्मिलित होने का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर अटल आवासीय विद्यालयों के छात्र–छात्राओं के तकनीकी, कौशल और सर्वांगीण विकास के लिए यह अवसर उपलब्ध कराया गया है।

****

पितृ विसर्जन पर आज लोगों ने पूरी श्रद्धा के साथ अपने पूर्वजों का श्राद्ध पिंडदान और तर्पण कर उन्हें विदाई दी। अपने पुरखों का पिंडदान करने के लिए लोग सुबह से ही वाराणसी के गंगा तट पर सिंधिया घाट, दशाश्वमेध घाट, मीरघाट, अस्सी घाट, राजाघाट सहित विमल तीर्थ पिशाचमोचन कुंड पर पहुंचने लगे। लोगों ने सिर का मुंडन करा कर गंगा और कुंडों में डुबकी लगाई और श्राद्धकर्म किया।

****